भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3079
गुरुवार, 18 दिसम्बर, 2025/27 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में संभार तंत्र अवसंरचना का एकीकरण

3079. सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदेः
श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटीलः
एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र से विशेष रूप से नंदुरबार, सोलापुर और सांगली जैसे जिलों से औद्योगिक रोजगार पलायन पर अपर्याप्त विमानन संपर्क और समभार तंत्र अवसंरचना के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन (एनएमआईए) को सोलापुर, सांगली और नंदुरबार सहित महाराष्ट्र के प्रमुख औद्योगिक और निर्यात समूहों के साथ जोड़ने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या क्षेत्रीय एयर कार्गो टर्मिनलों, अंतिम छोर तक समभार तंत्र गलियारा और एनएमआईए से महाराष्ट्र के टियर-2 शहरों को जोड़ने वाले फीडर मार्गों के विकास के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) केंद्रीय विमानन निवेश को राज्य स्तरीय औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): सरकार देशभर में क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कई पहल कर रही है। क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उडान) एक सतत बाजार आधारित योजना है, जिसका उद्देश्य असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों में हवाई संपर्क में सुधार करना है। बोली प्रक्रिया दौर समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, और एयरलाइनें मांग संबंधी मूल्यांकन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं।

सोलापुर हवाईअड्डे को 'उड़ान योजना' के तहत विकसित किया जा रहा है और यहाँ वाणिज्यिक उड़ान प्रचालन पहले ही शुरू हो चुका है। सांगली जिले में जठ हवाईपट्टी इस योजना के तहत उपलब्ध है; तथापि किसी भी एयरलाइन ने अब तक इस क्षेत्र में आरसी उड़ानों को प्रचालित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है। नंदुरबार हवाईपट्टी उड़ान दस्तावेज में उपलब्ध नहीं है।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा (एनएमआईए) को प्रमुख राजमार्गों, अटल सेतु (एमटीएचएल) और रेल नेटवर्क के माध्यम से मजबूत मल्टीमॉडल संपर्क के साथ विकसित किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र और मुंबई महानगरीय क्षेत्र में निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करता है। यह संपर्क सोलापुर, सांगली और नंदुरबार सहित एनएमआईए और प्रमुख औद्योगिक और निर्यात समूहों के बीच यात्रियों और सामान की कुशल आवाजाही का समर्थन करती है।

हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा एनएमआईए में 1.20 मिलियन मीट्रिक टन की वार्षिक हैंडलिंग क्षमता के साथ एक नई एयर कार्गो सुविधा की योजना बनाई गई है।

उड़ान योजना और हवाईअड्डा अवसंरचना विकास सहित केंद्रीय विमानन पहल का उद्देश्य संपर्क को बढ़ाना है, जिससे राज्य स्तरीय औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में सहायता मिलती है।

*****